Hindi Murli Quiz 02-07-2015

Q.1) **Q.निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें --**
"मीठे बच्चे, इस --------की वैल्यु तब है जब इसमें आत्मा प्रवेश करे, लेकिन सजावट -------की होती, आत्मा की नहीं"

Q.2) **Q. "बच्चों तुम्हारा फर्ज है - अपने हमजिन्स को नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनने की युक्ति बताना । तुम्हें अब भारत की सच्ची रूहानी सेवा करनी है। तुम्हें ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है तो तुम्हारी बुद्धि और चलन बड़ी रिफाइन होनी चाहिए। किसी में मोह जरा भी न हो।"**

A. True
B. False

Q.3) **Q-- शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----**

	Choice		Match
A	तुम्हारा स्वधर्म है शान्ति,	1	तुम अभी शान्ति के लिए थोड़े ही कहाँ जायेंगे।
B	अब प्रभू वा ईश्वर कहने से वह बाप का लव नहीं आता है,	2	सब हैं देह-अभिमानी।
C	तुम ऐसे नहीं कहेंगे कि परमात्मा वा प्रभु पढ़ाते हैं,	3	तुम कहेंगे शिवबाबा पढ़ाते हैं।
D	आत्मा ही ज्ञान धारण करती है,	4	शरीर में थोड़ेही ज्ञान होता है।
E	बाप ही आकर देही-अभिमानी बनना सिखलाते हैं।	5	बाप से तो बच्चों को वर्सा मिलता है।

Q.4) **Q. सभी सही वाक्यों का चयन करें ---**

A. अभी हम सो देवता बन रहे हैं परन्तु यह नशा भी नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार रहता है।
B. अभी तुम बच्चे बहुत धनवान बनते हो। तुम्हारी बहुत कमाई हो रही है।
C. बाप को बुलाते हैं-हे बागवान आओ। उनको माली नहीं कहेंगे। माली तुम बच्चे हो जो सेन्टर्स सम्भालते हो।
D. बाप तो यहाँ आकर सुनाते हैं। अमरनाथ में थोड़े ही पार्वती को अमरकथा सुनाई। पर यह कथायें भी ड्रामा में नूँध हैं।
E. कृष्ण की इतनी महिमा है क्योंकि सबसे जास्ती ब्युटीफुल बनते हैं, नम्बरवन में कर्मातीत अवस्था को पाते हैं।

Q.5) **Q. "तुम जानते हो हम देवता बनते हैं। मुख्य 8 रत्न बनते हैं। पहले-पहले है फूल। फिर युगल दाना ब्रह्मा-सरस्वती। माला सिमरते हैं ना। वास्तव में तुम्हारा पूजन नहीं है, सिमरण है। तुम्हारे ऊपर फूल नहीं चढ़ सकते हैं। फूल तब चढ़े जब शरीर भी पवित्र हो। यहाँ सब विष से पैदा होते हैं, इसलिए विकारी कहा जाता है। इन लक्ष्मी-नारायण को कहते ही है सम्पूर्ण निर्विकारी। बच्चे तो पैदा होते होंगे ना। ऐसे तो नहीं कोई ट्यूब से बच्चा पैदा हो जायेगा। यह भी सब समझने की बातें हैं।**

A. True
B. False

Q.6) **Q.--शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match

A	.तुम बच्चों को यहाँ 7 रोज भट्टी में बिठाया जाता है।	1	माँ-बाप कहते हम एलाऊ नहीं करेंगे। यह भी कितना मोह है।
B	माया तुम्हारी अवस्था को ही गिरा देती है।	2	देह-अभिमान है पहला नम्बर फिर और विकार आते हैं।
C	बच्ची कहे मैं भारत को स्वर्ग बनाने की रूहानी सेवा करूँगी,	3	भट्टी में ईटें कोई तो पूरी पक जाती हैं, कोई कच्ची रह जाती हैं।
D	विनाश के लिए भी ड्रामा में युक्ति रची हुई है,	4	बाबा समझाते रहते हैं कि सिर्फ बाप को और वर्से को याद करना है।
E	अभी तुम बच्चे कितने स्वच्छ बुद्धि बनते हो,	5	जब तुम्हारी पूरी तैयारी हो जायेगी सब फूल बन जायेंगे तब विनाश होगा।

Q.7) **Q. "बच्चे जानते हैं बाप बिन्दी है। ज्ञान का सागर है। वह तो कह देते नाम-रूप से न्यारा है। अरे, ज्ञान का सागर तो जरूर ज्ञान सुनाने वाला होगा ना। इनका रूप भी लिंग दिखाते हैं फिर उनको नाम-रूप से न्यारा कैसे कहते! सैकड़ों नाम रख दिये हैं। बच्चों की बुद्धि में यह सारा ज्ञान अच्छी रीति रहना चाहिए।"**

A. True
B. False

Q.8) **Q. धारणा पर आधारित इस एक्सरसाइज में केवल सही वाक्य ही चयन करें ---**

A. अभी हम बाप द्वारा बर्थ नाट ए पेनी बने हैं, इसी नारायणी नशे में रहना है ।
B. बन्धन-मुक्त बन सेवा करनी है। बन्धनों में फंसना नहीं है।
C. ज्ञान-योग में कभी तीखे नही बनना है ।
D. मात-पिता समान किंग आफ फ्लावर बनना है ।
E. अपने हमजिन्स की भी सेवा करनी है ।

Q.9) **Q "संगमयुग पर जब बाप सेवाधारी बन करके आते हैं तो छत्रछाया के रूप में बच्चों की सदा सेवा करते हैं। याद करते ही सेकण्ड में साथ का अनुभव होता है। यह याद की छत्रछाया कैसी भी नाजुक परिस्थितियों में कमल पुष्प के समान न्यारा और प्यारा बना देती है। मेहनत नहीं लगती । बाप को सामने लाने से, स्व स्थिति में स्थित होने से कैसी भी परिस्थिति परिवर्तन हो जाती है।"**

A. True
B. False

Q.10) **Q. "----------का पर्दा बीच में आने न दो तो बाप के साथ का अनुभव होता रहेगा।"**

[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें]

A. बातों
B. विघ्नों
C. अभिमान
D. विकारों